

**सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार एवं बागवानी विज्ञान), भा.कृ.अनु.प. का केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर, मोदीपुरम पर दौरा**

दिनांक 20 दिसम्बर, 2016 को श्री छबिलेन्द्र राऊल, अतिरिक्त सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं सचिव (भा.कृ.अनु.प.) एवं डॉ ए. के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार एवं बागवानी विज्ञान), भा.कृ.अनु.प. ने केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान परिसर, मोदीपुरम का भ्रमण किया। डॉ एस. के. चक्रवर्ती, निदेशक, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने परिसर पर गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और परिसर पर चल रही आलू अनुसंधान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अपने भ्रमण के दौरान अतिथियों ने परिसर के आलू प्रजनक बीज उत्पादन के मछरी प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। निदेशक एवं संयुक्त निदेशक ने परिसर पर आलू प्रजनक बीज उत्पादन की विभिन्न अवस्थाओं के बारे में सविस्तार से बताया, जिसमें गणमान्य अतिथियों ने गहरी दिलचस्पी दिखाई और देश में आलू बीज की मांग पूरी करने में परिसर के योगदान की सराहना की। तत्पश्चात अतिथियों ने परिसर की ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, कृषक प्रशिक्षण सभागार, एवं आलू प्रसंस्करण संयंत्र का निरीक्षण किया। अतिथियों ने परिसर के सभागार में आयोजित बैठक में परिसर के स्टाफ, भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम एवं केंद्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ के निदेशकों एवं वैज्ञानिकों के साथ विचार विमर्श किया। जिसमें सचिव, आईसीएआर ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की नीतियों में हो रहे सुधारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने परिषद के कार्यों में दक्षता, कार्यक्षमता बढ़ाने और पारदर्शिता लाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग, सभी प्रकार के वित्तीय लेन-देन के लिए पूरी तरह से ई-पेमेंट (ऑनलाइन ट्रांसेक्शन और स्वाइप मशीनों) का उपयोग करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने गैर पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों का अधिकतम उपयोग और स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उपमहानिदेशक ने वैज्ञानिकों को आलू उत्पादन बढ़ाने के साथ कृषकों की उन्नति के लिए आलू अनुसंधानों का उपयोग करके किसानों की आय दोगुनी करके उनकी उन्नति से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सचिव, आईसीएआर और उपमहानिदेशक ने मेरठ के भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान का भी भ्रमण किया जहां पर उन्होंने उनकी अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा की।

**Sh Chhabilendra Roul, Additional Secretary (DARE) & Secretary (ICAR) and  
Dr. A.K. Singh, DDG (Agri. Ext. & Hort. Sc.) visited CPRI Campus,  
Modipuram on 20 December, 2016**

On 20 December, 2016 Additional Secretary (DARE) & Secretary (ICAR) Sh Chhabilendra Roul and Dr AK Singh, DOG (Agricultural Extension and Horticultural Sciences) visited CPRI Campus, Modipuram. Dr. SK Chakrabarti, Director, CPRI, Shimla welcomed the hounarable guests and gave details of research activities being conducted at the Campus. During their visit guests inspected Potato Breeder Seed Production Unit Machhari. Director and Joint Director briefed to the guests about various stages of potato breeder seed production, the guests showed their keen interest in the process and they appreciated the contribution of the campus in the meeting demand of potato seed to the country. Thereafter, Secretary, ICAR and DDG visited Tissue Culture Lab, Farmers training Hall and potato processing unit. Secretary, ICAR and DDG took a meeting with Director, CPRI and Staff members of the Campus, Directors and Scientists of IIFSR, Meerut and CIRC, Meerut. Secretary, ICAR discussed in detail about the policies of ICAR for bringing efficiency, compatibility and transparency in the official activities by implementing electronic methods. He stressed for all the transactions through E-payments methods using online transactions and swipe machines. He also stressed for installing solar panels and maximizing of Non-conventional methods of energy and emphasized on “Swachh Bharat Abhiyan”. Dr AK Singh, DDG motivated the Scientists presented in meeting to link the research with progress of farmers by doubling the income of farmers. The meeting ended with the vote of thanks. Secretary and DDG also visited the Indian Institute of Farming Systems Research and Central Institute of Research on Cattle in Meerut and reviewed their research activities.

